हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

तापमान

अधिकतम 24.0 डिग्री
न्यूनतम 4.0 डिग्री

12 मानव,पशु और पर्यावरण के संबंधों को समझना जरूरी

12 बुजुर्गों की बढ़ती आबादी को लेकर कार्यक्रम में...

खबर संक्षेप

ठंड के चलते एसडीएम ने बनाया प्लान

सिवानी मंडी। व्यापक शीतलहर कार्य योजना के तहत शीतलहर की गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए एसडीएम विजया मलिक ने संबंधित विभागों को विस्तृत खाका तैयार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शीतलहर की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता को देखते हुए प्रवासी मजदूरों एवं अन्य जरूरतमंद लोगों के लिए रैन बसेरा, गांवों में पंचायत घरों तथा खाली मकानों में अस्थायी रूप से ठहरने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शीतलहर के मद्देनजर खाद्य सामग्री पीने का स्वच्छ पानी आवश्यक दवाइयां ईंधनए तथा बेघरों के लिए दिन व रात के शेल्टर की पर्याप्त और नियमित सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

अलग-अलग मामलों में तीन आरोपित गिरफ्तार

नारनौंद। सीआईए स्टाफ नारनौंद पुलिस ने तीन उद्घोषित आरोपी राजथल निवासी ईश्वर, सुभाष व सुरेन्द्र को गिरफ्तार किया गया। प्रभारी पीएसआई अरविन्द ने बताया कि अदालत ने आरोपित ईश्वर को थाना नारनौंद के एक्साइज मामले में व सुभाष व सुरेन्द्र को थाना नारनौंद के एनडीपीएस मामले में उद्घोषित आरोपी करार दिया हुआ था। सीआईए स्टाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

किसान सभा बालसमन्द महापंचायत में लेगी हिस्सा

आदमपुर। जल भराव, सेम व ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों का बीमा, मुआवजा, सभी फसलों की सरकारी खरीद, खाद की पूरी सप्लाई, खेत मजदूर को उचित मुआवजा आदि मागों को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी आदमपुर ने बुधवार को 38वें दिन भी तहसील परिसर मे धरना पड़ाव जारी रहा। धरना की अध्यक्षता कृष्ण सांवत व गुलाब पूनिया ने संयुक्त रूप से की। तहसील सचिव सतबीर सिंह धायल ने बताया कि 4 दिसम्बर को होने वाली बालसमन्द किसान महापंचायत मे आदमपुर तहसील से सैकड़ों किसान भाग लेंगे।

नौ को गुजवि में तीसरी काउंसलिंग का आयोजन

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि के सम्बद्ध महाविद्यालयों में बीएड दो वर्षीय तथा बीए-बीएड चार वर्षीय नियमित कार्यक्रमों में रिक्त/छोड़ी गई सीटों पर दाखिले के लिए तीसरी काउंसलिंग का आयोजन 9 दिसंबर को होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस सम्बंध में आदेश जारी कर दिए हैं। डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार ने बताया कि तीसरी काउंसलिंग का आयोजन सम्बद्ध शिक्षा महाविद्यालयों में विवि ऑब्जर्वर की उपस्थिति में दूसरी काउंसलिंग में अपनाई गई प्रक्रिया के अनुसार होगा। बीएड दो वर्षीय तथा बीए-बीएड चार वर्षीय नियमित कार्यक्रमों में रिक्त/छोड़ी गई सीटों पर दाखिले के लिए तीसरी काउंसलिंग का आयोजन 9 दिसंबर को होगी।

पीएमश्री स्कूल जेएनवी में प्रवेश परीक्षा 13 को

हिसार। पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय पाबड़ा में कक्षा छठी (सत्र 2026-27) की प्रवेश परीक्षा आगामी 13 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय के प्राचार्य प्रभारी हंसराज ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पीएमश्री स्कूल जेएनवी पाबड़ा में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा 13 दिसंबर को जिले के 9 ब्लॉक में निर्धारित किए गए 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित करवाई जाएगी।

संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मिलने से मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

- पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां पहुंची मौके पर, की जांच
- जांच में पाया गया मौसम विभाग का डिवाइस

नजदीकी गांव रायपुर के पास खेतों में संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मिलने से हड़कंप मच गया। लोगों ने सुबह यह डिवाइस देखा और पुलिस को सूचना दी। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इसके लिए एक्सपर्ट भी बुलाए गए। इसके बाद पुलिस इसे कब्जे में लेकर थाने ले गई। पुलिस की जांच में पता चला है कि यह इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस फ्लाइंग ऑब्जेक्ट है। यह छोटा पैराशूट जैसा है। मिली जानकारी के अनुसार शहर के रायपुर रोड के पास सड़क किनारे झाड़ियों में बुधवार सुबह यह डिवाइस मिला। जहां से यह फ्लाइंग ऑब्जेक्ट मिला है, वह संवेदनशील इलाका है। यहां नजदीक ही हिसार एयरपोर्ट है और कुछ ही दूरी पर आर्मी कैंट का एरिया है। हालांकि, बाद में मौसम विभाग ने पुष्टि की कि यह उनका यंत्र है और इससे कोई खतरा नहीं। जांच के बाद सदर थाना एसएचओ नवीन कुमार ने बताया कि इस इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच की गई है। पहली नजर में यह एक पैराशूट की तरह लग रहा था। हालांकि, अब इसमें मौसम विभाग ने पुष्टि कर दी है। एसएचओ ने बताया कि खेतों में एयरपोर्ट के पास बैटरी चालित गुब्बारा मिला, जिसे सूचना के बाद कब्जे में ले लिया गया। जांच करने पर पता चला कि ये मौसम विभाग द्वारा मौसम की जानकारी और पॉल्यूशन के बारे में जानकारी के लिए उड़ाया जाता है। यह पटियाला की तरफ से उड़ाया गया था। इसमें सेंसर होते हैं, जो बैटरी खत्म होने पर गिर जाता है।

हिसार। रायपुर के पास खेतों में मिला संदिग्ध डिवाइस। फोटो : हरिभूमि

जांच की

एयरपोर्ट के नजदीक पैराशूट के साथ मिले सफेद बॉक्स की पुलिस व एजेंसियां ने जांच की। सफेद रंग के बॉक्स पर हरी और लाल रंग की लाइट भी लगी थी। यह डिवाइस पूरी तरह से पैराशूट के साथ जुड़ा हुआ था। हाल ही में जम्मू-कश्मीर में सुंब के चांडली इलाके में मिले गुब्बारे के साथ सफेद संदिग्ध बॉक्स मिला था।

हटाए गए कर्मचारियों ने शुरू की भूख हड़ताल

नारनौंद। नगरपालिका में 30 सफाई कर्मचारियों को कौशल रोजगार के तहत तीन महीने के लिए सरकार ने लिया था। समय पूरा होने पर सरकार ने उन सभी सफाई कर्मचारियों को हटा दिया। हटाए गए सफाई कर्मचारी लगातार समय बढ़ाने की सरकार से गुहार लगा रहे हैं। इसी कड़ी में कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। बुधवार को चौथे दिन भी धरना जारी रहा और हटाए गए 6 सफाई कर्मचारी भूख हड़ताल पर भी बैठ गए हैं और आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा और सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से जुड़े कर्मचारियों ने बुधवार को रोष प्रदर्शन किया कर्मचारियों ने नगर पालिका परिसर के सामने धरना लगाया।

घायलों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया, महिला को किया मृत घोषित

बाइक की टक्कर में एक महिला की मौत, पिता-पुत्री घायल

डायल 112 और शेखपुरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

जींद रोड़ स्थित सिसाय मोड़ पर बुधवार सुबह एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई जबकि पिता-पुत्री घायल हो गए। सूचना मिलने पर डायल 112 और शेखपुरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने 70 वर्षीय महिला कपूरी मृतक घोषित कर दिया। सिसाय कालीरावण निवासी 50 वर्षीय खुशी और उसकी 12 वर्षीय बेटी मीनू की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया। लेकिन परिजनों ने दोनों को उपचार के लिए हांसी के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है जहां दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार सिसाय कालीरामण निवासी 50 वर्षीय खुशीराम अपनी 12 वर्षीय बेटी मीनू और 70 वर्षीय कपूरी के साथ बाइक पर सवार होकर हांसी की ओर आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जींद रोड़ पर पहुंची तो जींद की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टक्कर के बाद बाइक कई मीटर दूर जाकर गिरी और तीनों बाइक सवार सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक अपनी कार को मौके पर छोड़ वहां से फरार हो गया। सड़क हादसे की सूचना मिलने पर डायल 112 व शेखपुरा पुलिस चौकी इंचार्ज राजपाल अपनी टीम सहित मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार एंबुलेंस की सहायता से नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां पुलिस ने मृतका के परिजनों के बयान पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने तथा गैर इरादतन हत्या की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप मामले की जांच आरंभ कर दी।

हांसी। घटनास्थल पर मामले की जांच करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

सुल्तानपुर माइनर में मिला 5 दिन से लापता मजदूर का शव

हांसी। उपमंडल के गांव सुल्तानपुर के समीप से गुजरने वाली सुल्तानपुर माइनर में बुधवार को एक व्यक्ति का शव पानी में पड़ा मिला। घटनास्थल से गुजर रहे राहगीरों ने शव को देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम को भी मौके पर बुलाया गया। तथा प्रारंभिक जांच के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। जहां उसकी पहचान बिहार के रहने वाले दिलखुश के रूप में हुई है। सदर थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक बिहार का रहने वाला था और पिछले कुछ दिनों से बास थाना क्षेत्र के गांवों में रहकर खेतों में मजदूरी करता था और पिछले पांच दिन से घर से लापता था। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी। और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मृतक दिलखुश के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उनके आने पर उनके बयान अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में मरीज की मौत, भड़के परिजन

चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शहर के डाबड़ा चौक पुल के नीचे स्थित एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन एक मरीज की मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर हंगामा कर दिया। बाद में चिकित्सक द्वारा पूरी जानकारी दिए जाने के बाद परिजन संतुष्ट होकर चले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार उकलाना निवासी एक मरीज को पेट दर्द के चलते दो दिन पहले उक्त अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई, जिस पर परिजनों ने हंगामा कर दिया और चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। परिजनों के अनुसार अस्पताल में दाखिल करने के बाद डॉक्टर द्वारा कुछ टैस्ट करवाए गए लेकिन इलाज शुरू नहीं किया। अगले दिन दो दिसंबर को बोला गया कि आयुष्मान हटाना पड़ेगा और पैसे लगेंगे, इस पर परिजनों ने कहा कि इलाज शुरू करो, पैसे हम दे देंगे। हमारे द्वारा पैसे जमा करवाने पर मरीज का इलाज शुरू किया गया। उसके बाद हम अपने मरीज से मिलने गए तो मरीलज कहने लगा कि वह ठीक है और उसे यहां से ले चलो क्योंकि कुछ गडबड़ लग रही है, इन लोगों ने तुमसे पैसे लिए हैं, अभी इन्होंने एकदम से मेरा ट्रीटमेंट कैसे शुरू कर दिया।

मरीज की मौत के बाद बोले परिजन

परिजनों ने कहा कि मरीज बार-बार कह रहा था कि मुझे यहां से निकालो ये कोई प्लान बना रहे हैं। मैं सुबह तक नहीं मिलूंगा। हमने सोचा वे उत्तेजित हो गए हैं, लेकिन वे सच्चे निकले। परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने ले जाने की बात कही तो उन्हें डराया गया कि रास्ते में मरीज को कुछ भी हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने कहा कि मेरे से कोई सवाल नहीं करेगा और न ही आयुष्मान कार्ड चलाऊंगा। आज 8 बजे के लगभग बताया गया कि उनकी मृत्यु हो गई है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उनसे दो लाख रुपये ले लिए लेकिन उसकी कोई रिलप नहीं दी गई। उधर, इस मामले में यह बताया जा रहा है कि डॉक्टर द्वारा मरीज के परिजनों को इलाज से संबंधित जानकारी दी जिससे परिजन संतुष्ट हो गए और शव को लेकर चले गए।

हिसार। स्वदेशी मेले से संबंधित कैलेंडर का लोकार्पण करते पदाधिकारी।

स्वदेशी मेले में कला, संस्कृति व स्वदेशी उत्पादों की रहेगी धूम

हिसार। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुराना गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में 12 से 16 दिसंबर तक स्वदेशी मेले का आयोजन किया जाएगा। स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस स्वदेशी मेले में कला, संस्कृति व स्वदेशी उत्पादों की धूम रहेगी। हर रोज समरसता महायज्ञ से मेले की शुरुआत होगी और प्रतिदिन विद्यार्थियों के लिए विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। इस स्वदेशी मेले में विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक, धार्मिक व स्वास्थ्य सरोकारों से जुड़े संगठन एवं एक लाख से अधिक नागरिक बढ़-चढक़र हिस्सा लेंगे। इस दौरान दर्शकों को स्वदेशी उत्पादों का बाजार, देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम, मानस रामलीला, हरियाणवी सांग, नाटिका एवं गीत-संगीत से परिपूर्ण कार्यक्रम देखने का अवसर मिलेगा। स्वदेशी मेला प्रांतीय प्रमुख अनिल गोयल ने बताया कि स्वदेशी मेले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना ली है और स्वदेशी उत्पादों को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है।

निगम टीम ने ऑटो मार्केट से हटाया अतिक्रमण

हिसार। नगर निगम टीम द्वारा शहर में अतिक्रमण के खिलाफ मुहिम चलाई हुई है। बुधवार को अभियान के नोडल अधिकारी सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि पुरानी ऑटो मार्केट में कुछ व्यापारियों ने खाली प्लॉटों पर शेड लगाकर कब्जा कर रखा था, जिन्हें निगम की टीम ने हटवा दिया है। उन्होंने कहा कि ऑटो मार्केट के कई व्यापारी भी अब स्वयं ही अपना सामान हटाकर अभियान में सहयोग कर रहे हैं। जल्द ही पुरानी ऑटो मार्केट में लोहे के व्यापारियों द्वारा किए गए सभी अतिक्रमण पूरी तरह समाप्त कर दिए जाएंगे। इसी दौरान नई ऑटो मार्केट में भी सड़क पर किए गए कई अतिक्रमण हटाए गए।

गीता जयंती महोत्सव के चौथे दिन हुआ गीता महायज्ञ

- आज शहर में निकलेगी शोभा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

आध्यात्मिक गीता-ज्ञान प्रचारिणी सभा के तत्वाधान में रामपुरा मोहल्ला स्थित गीता भवन में चल रहे 76वें गीता जयंती महोत्सव के चौथे दिन प्रातः गीता महायज्ञ किया गया। मुख्य यजमान के रुप में मनोज, अनिल, सुनील व मेहता परिवार के सदस्य उपस्थित हुए। गीता के 18 अध्यायों के श्लोक पढ़कर विधिपूर्वक हवन करवाया। हिसार में प्रथम गीता जयंती समारोह मनाने का श्रेय गीता भवन व इसके संस्थापक ब्रह्मलीन डॉ. बृजमोहन फिदा को जाता है। पिछले 76 वर्षों से यही परम्परा चली आ रही है। इस अवसर पर सभा की प्रधान ऊषा बक्शी, उपप्रधान कृष्ण कुमार, सचिव कृष्ण शर्मा, कोषाध्यक्ष धर्मबीर ग्रोवर के अलावा कुलदीप चोपड़ा, गंगाधर पाल, नंदलाल धमीजा, रामशरण भुटानी, शामलाल नागपाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। आगामी 7 दिसम्बर तक चलने वाले महोत्सव की जानकारी देते हुए प्रधान ऊषा बक्शी ने बताया कि 4 दिसम्बर को दोपहर बाद 3 बजे नगर में शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जो विभिन्न बाजारों से होते हुए वापिस मंदिर प्रांगण में पहुंचेगी। महोत्सव में महामंडलेश्वर स्वामी अमिता भारती, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ता राम निरमोही, बृजवासी नन्द गांव वाले पं. चैतन्य भारद्वाज, अंतर्राष्ट्रीय मानस व्यास पं. पतंजलि पाण्डेय रामायणी प्रवचन देंगे तथा भजन गायक व उपदेशक त्रिभुवन बक्शी आदि मौजूद रहे।

हिसार। गीता भवन में आयोजित गीता महायज्ञ में आहुति डालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

बीडी मॉडल स्कूल में वार्षिक पारितोषिक वितरण

हिसार। बीडी मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डीन डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। वंदना के माध्यम से बच्चों ने मां सरस्वती से ज्ञान का प्रकाश फैलाने की प्रार्थना की। 'नर्सरी से लेकर बारहवीं तक के सभी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। दसवीं व बारहवीं की बोर्ड की परीक्षा में 90 प्रतिशत से ऊपर अंक लेने वाले 53 मेधावी विद्यार्थियों को 'रेणु स्मृति सिल्वर मेडल' देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. आस्था भुटानी ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

हिसार। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज अधिकारियों व मेडिकल विद्यार्थियों के साथ आईपीएस श्रद्धा सिंह। फोटो : हरिभूमि

अग्रोहा मेडिकल में विद्यार्थियों को बीएनएस पर किया जागरूक

हिसार। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें आईपीएस अधिकारी श्रद्धा सिंह ने एमबीबीएस और नर्सिंग के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम का उद्देश्य आने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को कानून, नागरिक सुरक्षा, वैधानिक जिम्मेदारियों और संवैधानिक प्रक्रियाओं के बारे में अद्यतन ज्ञान प्रदान करना था, ताकि वे चिकित्सा क्षेत्र में कार्य करते समय कानूनी जागरूकता और नागरिक कर्तव्य दोनों का पालन कर सकें। आईपीएस श्रद्धा सिंह ने कहा कि भारत की नई दंड व्यवस्था, जांच प्रक्रिया, पीड़ितों के अधिकारों, आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल और चिकित्सा संस्थानों से जुड़े कानूनी प्रावधानों को समझना प्रत्येक डॉक्टर और नर्स के लिए अनिवार्य है।

- आईपीएस श्रद्धा सिंह ने छात्रों को बताया कानूनी दृष्टिकोण

उन्होंने छात्रों को मेडिकल पेशेवरों की वैधानिक जिम्मेदारियों जैसे- मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्टिंग, यौन उत्पीड़न मामलों में अनिवार्य चिकित्सा सहायता, घटनास्थल की प्राथमिक जानकारी सुरक्षित रखना, जनसुरक्षा के संवैधानिक दायित्व के बारे में विस्तार से समझाया। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज के प्रशासनिक निदेशक डॉ. आशुतोष शर्मा ने आईपीएस श्रद्धा सिंह का स्वागत किया।

धर्म-कर्म ऐतिहासिक अग्रोहा शक्तिपीठ में चल रहा18 कुंडीय महायज्ञ

108 द्रव्यों से हुआ अग्रोहा शक्तिपीठ पर महालक्ष्मी का दिव्य महाभिषेक

महाराजा अग्रसेन की तपोभूमि से बहेगी समृद्धि और सेवा की बयार : ज्ञानानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ऐतिहासिक अग्रोहा शक्तिपीठ में चल रहे 18 कुंडीय महायज्ञ के चौथे दिवस पर भव्यता, श्रद्धा और आध्यात्मिक उत्साह की अलौकिक छटा दिखाई दी। सुबह से देर शाम तक पूरे शक्तिपीठ परिसर में वैदिक अनुष्ठानों की पवित्र गूँज और भक्तिरस का विशेष माहौल बना रहा। महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ मंदसौर वाले ने प्रवचन के दौरान कहा कि महाराजा अग्रसेन की तपोभूमि केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि समृद्धि, उदारता, समानता और मानव सेवा की चिरस्थायी प्रेरणा का केंद्र है। उन्होंने कहा कि अग्रसेन जी के /"एक ईंट, एक रुपया/" और सर्वजन हिताय के सिद्धांत आज भी समाज को सहयोग, संवेदना और आर्थिक समानता का संदेश देते हैं।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ, राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग, विपिन गोयल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

देशभर से आए हजारों श्रद्धालु

दिनभर के अनुष्ठानों में माता महालक्ष्मी का 108 पवित्र द्रव्यों से दिव्य महाभिषेक किया गया। देशभर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने महाभिषेक में आहुति देकर सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की। पूरा परिसर वैदिक मंत्रोच्चारण से गुंजायमान होता रहा, जिससे वातावरण में दिव्यता और पवित्रता का अद्भुत संयोग बना। **यह रहे उपस्थितः** इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम प्रकाश गर्ग, प्रकाश चंद गोयल, मां माधवी अन्न क्षेत्र के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन नरेश बंसल तरावड़ी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोज गोयल, राष्ट्रीय उप महामंत्री प्रेम मंगल, प्रदेश महामंत्री एवं प्रवक्ता विपिन गोयल, मोहित बंसल, लेखराज गर्ग, सतीश गोयल, हीरामणि अग्रवाल, विश्वनाथ गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

खाते-पीते समय जब महसूस हो गले में दर्द

मेरी उम्र 32 वर्ष है पिछले कुछ दिनों से कुछ भी खाते-पीते समय मेरे गले में दर्द होता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और मेरी यह प्रॉब्लम कैसे ठीक होगी?

-राजन, रायपुर

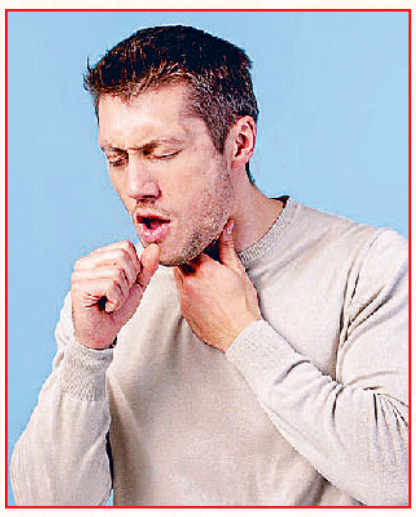

इस समय गले में दर्द जैसी समस्या का एक बड़ा कारण मौसम चेंज होना है। इसके साथ ही कई शहरों में प्रदूषण भी इसकी बड़ी वजह बन गई है। इसके लिए सबसे पहले आप सुबह और शाम को गर्म पानी में नमक डालकर गरारा करें। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि फ्रिज में रखी कोई भी ठंडी चीज बिल्कुल ना खाएं। वहीं प्रदूषण से बचने के लिए जब आप घर के बाहर निकलें तो मास्क लगाकर निकलें। इस तरह थोड़ा चेंज करने से आपको लाभ मिलेगा।

मेरी उम्र 27 वर्ष है। कुछ दिन पहले मेरे नाक से अचानक खून रिसने लगा था। पिछले एक महीने में ऐसा दो बार हो चुका है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हुआ, यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-अंकुर, बिलासपुर

इस तरह की परेशानी आमतौर पर गर्मियों में लोगों को देखी जाती है लेकिन इस मौसम में भी ऐसा हो रहा है तो एक बार डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। कई बार इसकी वजह ब्लड प्रेशर का अधिक होना भी पाया गया है। आप एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क करें। वह जांच कर इसका सही कारण पता लगाएंगे और ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मुझे खांसी आ रही है। ज्यादा खांसी की वजह से कभी-कभी सांस लेने में भी दिक्कत होती है। प्लीज इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-रवि, दुर्ग

लंबे समय से खांसी कई बार चेस्ट में इंफेक्शन की वजह से भी हो जाती है। लेकिन यह बगैर डॉक्टर के चेक करवाए नहीं बताया जा सकता है। आप आस-पास किसी डॉक्टर से एक बार चेस्ट की जांच करा लें। अगर इंफेक्शन होगा तो उसकी दवा चलेगी। इसके बाद भी अगर आराम ना मिले तो एक बार टीबी की जांच भी करानी चाहिए। लोगों में कई बार यह भी खांसी की वजह होती है। फिलहाल आप गुनगुना पानी पिएं और सुबह शाम नमक वाले पानी से गरारा जरूर करें।

मेरी उम्र 39 वर्ष है। मेरे पैर अकसर ही सुन्न हो जाते हैं। इसमें कोई सेंसेशन नहीं होता। कई बार इस वजह से चलने-फिरने में लड़खड़ाहट होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-सुमित, भोपाल

हालांकि आपकी उम्र अभी कम है, लेकिन फिर भी आप एक बार न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करें। क्योंकि आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको न्यूरो से संबंधित कुछ प्रॉब्लम हो सकती है। हालांकि कई बार नर्वस सिस्टम भी इसकी वजह बनता है लेकिन बगैर जांच किए कोई भी ट्रीटमेंट शुरू नहीं किया सकता है।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। इससे रात को नींद तो अच्छी आती है, लेकिन पूरे दिन सुस्ती बनी रहती है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-मधुसूदन, महेंद्रगढ़

नींद की गोलियां कहीं ना कहीं साइड इफेक्ट जरूर करती हैं, इसलिए कोशिश करें कि नींद की गोलियां न खाई जाएं तो बेहतर है। आपको योग और मेडिटेशन करना चाहिए। रात में सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीना चाहिए और पैर धोकर बेड पर जाना चाहिए। इस तरह कुछ बदलाव कर देखें। आपको आराम मिल सकता है। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. अतीक वासदेव
वाइस चेयरमैन-ऑर्थोपेडिक्स
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

सर्दियों में अन्य ऋतुओं की तुलना में जोड़ों की समस्याएं कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर जोड़ों में दर्द का प्रमुख कारण अर्थराइटिस (गठिया) होता है। जोड़ों में सूजन और दर्द को अर्थराइटिस कहते हैं। इस दर्द के बढ़ने की क्या वजहें हैं, इनसे कैसे बचाव हो सकता है और इनसे राहत के लिए क्या करना चाहिए, विस्तार से यहां बता रहे हैं।

सर्दियों में ज्वॉइंट्स प्रॉब्लम बरतें सावधानी-मिलेगी राहत

बढ़ती उम्र के लोगों में जोड़ों के दर्द की समस्या जाड़े में बढ़ जाती है। जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस या जोड़ों से संबंधित समस्याओं से ग्रस्त हैं, उनमें सर्दी के मौसम में जोड़ों से संबंधित समस्याएं इसलिए बढ़ जाती हैं क्योंकि तापमान के कम होते जाने से जोड़ों के अंदर मौजूद साइनोवियल फ्लूड गाढ़ा होने लगता है। इस कारण जोड़ों में जकड़न महसूस होती है, जिसके परिणामस्वरूप चलने-फिरने में दिक्कत महसूस होती है, खासकर सुबह के वक्त।

सर्दियों में तापमान के कम होने के कारण जोड़ों की धमनियां (आर्टरीज) सिकुड़ जाती हैं। धमनियों के सिकुड़ने से जोड़ों में रक्त संचार की प्रक्रिया समुचित रूप से संचालित नहीं होती। इसके परिणामस्वरूप जोड़ों में जकड़न या अकड़न और दर्द होने लगता है। ठंडे तापमान में मांसपेशियों में ऐंठन अधिक होती है, जिससे जोड़ों में सूजन, दर्द और अकड़न बढ़ जाती है।

इनको होता है ज्यादा रिस्कः जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस के किसी प्रकार से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। वैसे तो अर्थराइटिस के बहुत प्रकार हैं, लेकिन जो लोग ऑस्टियोअर्थराइटिस (ओए), रूमेटॉइड अर्थराइटिस (आरए), गाउटी अर्थराइटिस, ट्रामेटिक अर्थराइटिस और स्पाइनल अर्थराइटिस से पीड़ित हैं, उनकी समस्याएं आमतौर पर सर्दियों के दौरान बढ़ सकती हैं। इसी तरह जो किशोर और बच्चे क्रमशः जुवेनाइल अर्थराइटिस और रूमेटिक अर्थराइटिस से ग्रस्त रह चुके हैं, उनकी परेशानी भी सर्दियों के मौसम में बढ़ सकती हैं।

वहीं जो लोग अतीत में किसी दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं, जिसके कारण उनकी हड्डियां और लिगामेंट आदि क्षतिग्रस्त हो चुके थे। ऐसे लोगों को ठीक हो जाने के बाद भी जाड़े के मौसम में जोड़ों में दर्द की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

ऑस्टियो अर्थराइटिस पेशेंट सावधानी बरतेंः ऑस्टियो अर्थराइटिस (गठिया) का दुष्प्रभाव आमतौर पर प्रमुख जोड़ घुटनों पर पड़ता है। घुटने पर ही शरीर के भार का दबाव सर्वाधिक पड़ता है। देश में सबसे ज्यादा लोग नी ऑस्टियो अर्थराइटिस (घुटने की गठिया) से ग्रस्त हैं। जोड़ों के मध्य स्थित कार्टिलेज (जो जोड़ों के मध्य कुशन का काम करती है) बढ़ती उम्र खासकर 50 वर्ष के बाद गलत जीवनशैली के कारण घिसने लगती हैं। इस कारण जोड़ आपस में रगड़ते हैं और कालांतर में धीरे-धीरे क्षीण होते रहते हैं। एक ऐसी स्थिति आती है, जब पीड़ित व्यक्ति को चलने-फिरने और सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में दिक्कत महसूस होती है। लोग अपने सामान्य दिनचर्या के कार्यों को नहीं कर पाते।

ऐसे करें रोकथामः ऑस्टियोअर्थराइटिस से पीड़ित व्यक्ति सर्दी की शुरुआत में ही अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें और उनके परामर्श के अनुसार ही दवाएं, फिजियोथेरेपी और अन्य व्यायाम करें। खान-पान में कैल्शियम युक्त आहार को वरीयता दें। अगर मरीज को असहनीय दर्द हो रहा है, तो विशेषज्ञ डॉक्टर, पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत देने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन रिफर कर सकते हैं।

रूमेटाइड अर्थराइटिस पेशेंट रहें सजगः यह अर्थराइटिस का एक विशेष प्रकार है, जिसके कारणों पर मेडिकल शोध अभी तक जारी हैं। रूमेटाइड (आरए) का उम्र बढ़ने या कार्टिलेज के क्षीण होने या फिर खान-पान से कोई लेना-देना नहीं है। इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ाई छेड़ देता है और इस लड़ाई का पहला हमला जोड़ की झिल्ली (सायनोवियम) पर पड़ता है।

मिल सकती है राहतः समय रहते रूमेटाइड अर्थराइटिस का समुचित इलाज न होने पर आगे चलकर प्रभावित हड्डी क्षीण होने लगते हैं, लेकिन फिजियोथेरेपी, योग और व्यायाम करने से पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत मिलती है। रूमेटाइड अर्थराइटिस का कोई स्थाई इलाज है। इसके साथ ही शरीर के इम्यून सिस्टम में आई गड़बड़ी को दूर करने या नियंत्रित करने के लिए जो दवाएं दी जाती हैं, उन्हें इम्यूनोमॉड्यूलेटर्स कहते हैं। रूमेटाइड अर्थराइटिस शरीर के अन्य जोड़ों को भी प्रभावित करता है, लेकिन इसकी शुरुआत हाथों की उंगलियों में सूजन से होती है, सूजन के साथ मरीज को तेज दर्द होता है। इसलिए सर्दियों में रूमेटाइड अर्थराइटिस वाले डॉक्टर से परामर्श लेते रहें।

डॉक्टर के परामर्श से ही दवाएं लें। जोड़ों का दर्द कम करने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन के अलावा कभी-कभी डॉक्टर स्टेरॉयड के इंजेक्शन भी पीड़ित मरीज को रिफर कर सकते हैं। ऐसे इंजेक्शंस के अपने लाभ भी हैं और इनके साइड और आफ्टर इफेक्ट भी। इसलिए स्टेरॉइड दवाओं को योग्य चिकित्सक की देख-रेख में ही लेना चाहिए, क्योंकि ऐसी दवाओं को लंबे समय तक लेने से फायदा कम नुकसान ज्यादा हो सकता है।

कंधों का पोस्चर सही रखें: कंधे भी आपके शरीर के प्रमुख जोड़ हैं। सर्दियों में इनमें भी दर्द और जकड़न की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस संदर्भ में इन बातों पर ध्यान दें।

- चलते समय कंधों को झुकाकर न चलें और न ही इन्हें उठाकर चलें।
- कंधे से संबंधित व्यायाम करें।
- झटके से वेट न उठाएं।
- बिना वार्म अप के किसी भी खेल की प्रैक्टिस न करें।
- उपरोक्त बातों पर ध्यान देने पर आप कंधों में दर्द की समस्या से बचे रहेंगे।

ज्वाइंट्स पेन से ऐसे मिलेगी राहतः विशेषज्ञ से परामर्श, जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न और मांसपेशियों में कमजोरी जैसे लक्षणों के मद्देनजर अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें। ऑस्टियोअर्थराइटिस के जिन मरीजों को दवाओं, खान-पान और व्यायाम आदि से राहत नहीं मिल पा रही है, तो ऐसे व्यक्तियों को ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट परामर्श दे सकते हैं।

वजन संतुलित रखें: सर्दियों में आमतौर पर लोगों को ज्यादा भूख महसूस होती है और लोग अपना पसंदीदा खाना कुछ ज्यादा खाते हैं। जाड़े के कारण उनकी आउटडोर शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में वजन सर्दियों में बढ़ जाता है। अधिक वजन घुटनों और कूल्हों जैसे जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों में दर्द की समस्या का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए सही वजन बनाए रखने के लिए अपने आहार पर विशेष ध्यान दें और जोड़ों के अनुकूल व्यायाम करें।

हाइड्रेट रहें: जो लोग ज्यादा शारीरिक श्रम नहीं करते हैं और किडनी रोग से ग्रस्त नहीं हैं, उन्हें कम से कम प्रतिदिन दो-तीन लीटर पानी पीना चाहिए। पर्याप्त पानी पीने से आमतौर पर जोड़ों में दर्द की समस्या कम होती है। कुनकुने पानी से नहाने से भी आपको जोड़ों के दर्द में राहत मिल सकती है।

विटामिन-डी सप्लीमेंट: शरीर में विटामिन-डी की कमी से जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ सकती है। ऑस्टियोपोरोसिस (हल्का-सा आघात लगने पर हड्डियों का टूटना) का खतरा भी बढ़ जाता है। विटामिन-डी सप्लीमेंट लेने के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

ओमेगा-3 फैटी एसिड का सेवनः ओमेगा-3 फैटी एसिड्स सर्दियों के दिनों में होने वाली जोड़ों की सूजन, अकड़न और दर्द को कम करने में लाभप्रद हैं। अपने आहार में एवोकाडो, अलसी, अखरोट या फिश को शामिल करें।

सुबह की धूपः विटमिन-डी का एक अच्छा प्राकृतिक स्त्रोत है धूप। यह हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। धूप में बैठने से जोड़ों के दर्द और सूजन में राहत मिलती है।

कंप्यूटर पर कार्य करने वाले ध्यान दें: लगातार कई घंटों तक एक ही कुर्सी और कंप्यूटर के आगे बैठे-बैठे आपके जोड़ अकड़ जाते हैं, इसलिए ऑफिस में लगभग डेढ़ घंटे में सीट छोड़कर पांच मिनट के लिए घूमे-फिरें, शरीर को स्ट्रेच करें।

राहत दे सकते हैं ये तरीकेः प्रभावित जोड़ों पर गर्म और ठंडे पानी की पट्टियों के इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। गर्म पानी की बोतल का इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं एक कपड़े में लपेटकर बर्फ के टुकड़ों (आइस क्यूब्स) को दर्द से प्रभावित स्थान पर इस्तेमाल कर सकते हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

हर्बल जोन / रेखा देशराज

मौसमी रोगों से बचाए अदरक-तुलसी

अदरक और तुलसी यूं तो हर मौसम में शरीर के लिए अलग-अलग वजहों से फायदेमंद हैं। लेकिन सर्दियों की समस्याओं के लिए ये बहुत ही कारगर साबित होते हैं। सर्दियों की सबसे आम और परेशान करने वाली समस्याओं से छुटकारा दिलाने में इनका कोई सानी नहीं है। सर्दी के मौसम में शरीर की आंतरिक गर्मी घट जाती है। खून का प्रवाह धीमा पड़ जाता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है। इसलिए आयुर्वेद में सर्दियों का मुकाबला करने के लिए इनको सर्वोत्तम माना गया है। ये शरीर को बाहर से आने वाली ठंड और भीतर से पैदा होने वाली अशक्तता से हमें बचाते हैं।

नेचुरल हीटर अदरकः जब ठंडी हवा से शरीर का तापमान गिरने लगता है, तब अदरक का इस्तेमाल करने से तापमान गिरने से रुक जाता है। सर्दियों में अदरक के इस्तेमाल से, नाक जाम होने से, गला खराब होने से और बलगम बनने से रोकता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से हाथ-पैर गर्म रहते हैं। यही नहीं अदरक इस मौसम में हमारे पाचन को भी सुधारता है और शरीर में एहसास होने वाले भारीपन को खत्म करता है। सवाल है, इसे कैसे ले सकते हैं? सुबह के समय अदरक वाली काली चाय या काढ़ा विशेष रूप से कारगर है। अगर यह नहीं लेते तो शहद के साथ अदरक का एक छोटा टुकड़ा मुंह में चूसने से भी शरीर को भरपूर गर्मी मिलती है। अदरक इस मौसम में हमारे रक्त संचार को तेज करता है और शरीर को गर्म रखता है। अदरक पाचन के लिए इस मौसम की सबसे कारगर दवा है।

रोगरोधी पौधा-तुलसीः आयुर्वेद में तुलसी को सर्दी के मौसम का सबसे शक्तिशाली रोगरोधी कवच माना जाता है। यह एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। इसलिए इस मौसम में होने वाली खांसी और गले की सूजन को रोकती है। सांस की नली साफ रखती है और ठंड में फैलने वाले वायरस की रोकथाम करती है। इस तरह देखा जाए तो तुलसी सर्दियों में नाक, कान, गला तीनों की सुरक्षा करती है। जहां तक सवाल है कि इसे कैसे लें, तो इसका सबसे अच्छा तरीका तुलसी की सात से दस पत्तियां सुबह-सुबह चाय या काढ़े के साथ लें या चार पत्तियां उबालकर भाप भी ली जा सकती है। अदरक और तुलसी मिलकर सर्दी, जुकाम के वायरस को बढ़ने नहीं देते हैं। दोनों का एक साथ सेवन बहुत कारगर है। तुलसी गले को नेचुरल एंटीसेप्टिक की तरह साफ करती है और अदरक गर्माहट देकर गले की सूजन और दर्द कम करती है। इसलिए सर्दियों में ठंडी हवाओं के असर से वो लोग बचे रहते हैं, जो इस मौसम में इन दोनों का इस्तेमाल करते हैं। *

अवेयरनेस

रेखा

एपिलेप्सी या मिर्गी मस्तिष्क संबंधी रोग है। यह घातक तो नहीं होता लेकिन इस वजह से रोगी को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके कारण, इससे बचाव करने, इसे कंट्रोल करने के तरीकों के बारे में सभी को जागरूक होना चाहिए।

एपिलेप्सी नियंत्रण के साथ जागरूकता की है जरूरत

अनुमान के मुताबिक भारत में एक करोड़ से एक करोड़ 20 लाख के आस-पास मिर्गी (एपिलेप्सी) रोगी हैं, जबकि दुनिया में कुल मिर्गी रोगियों की संख्या करीब 5 करोड़ है। इस तरह देखा जाए तो दुनिया का हर पांचवां मिर्गी रोगी भारत में है। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और लैंसेट न्यूरोलॉजी रिपोर्ट के मुताबिक भारत मिर्गी रोगियों का सबसे बड़ा देश है। दुनिया के करीब एक करोड़ 20 लाख से एक करोड़ 50 लाख के आस-पास मिर्गी रोगी अफ्रीका महाद्वीप में रहते हैं। मिर्गी रोगियों का एक बड़ा हब संयुक्त राज्य अमेरिका भी है, जहां 30 से 40 लाख मिर्गी रोगी रहते हैं। भारत में दुनिया के सर्वाधिक मिर्गी रोगी होने की बड़ी वजह यही है कि भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है, इसलिए यहां मिर्गी रोगी भी सबसे ज्यादा हैं। दूसरी बड़ी बात यह है कि भारत के ग्रामीण इलाकों और विशेषकर गरीब आबादी के पास इसके इलाज की पहुंच नहीं है।

रोग के कारणः मिर्गी अपने आपमें कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों में असंतुलन की स्थिति है और ऐसा कई वजहों से होता है। जन्म के समय या बचपन में मस्तिष्क को गंभीर चोट लग जाना, जिससे कुछ देर के लिए दिमाग के कुछ हिस्से में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। सिर की चोट, मस्तिष्क में ट्यूमर, लकवा यानी स्ट्रोक तथा आनुवांशिक कारण भी भारत में सर्वाधिक मिर्गी रोगियों के लिए अनुकूल स्थितियां बनाते हैं। ज्यादा शराब पीने वाले या बहुत कम नींद लेने वाले लोगों को भी यह समस्या हो जाती है। इसके अलावा 10 फीसदी लोगों के संबंध में मेडिकल साइंस कभी यह नहीं जान पाती कि उन्हें मिर्गी रोग होने का क्या कारण है? इसलिए तमाम लोगों को अस्पष्ट कारणों से भी मिर्गी होती है।

रिस्क को कर सकते हैं कमः विशेषज्ञों की मानें तो मिर्गी को तो पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता, लेकिन सजग रहकर इसके जोखिम को कम किया जा सकता है। मिर्गी रोग से बचने के जो सजग उपाय हो सकते हैं, वो इस प्रकार हैं।

जन्म के समय सुरक्षित प्रसव जरूरी है ताकि बच्चे के स्वास्थ्य की देखभाल सही तरीके से हो सके और प्रसव के दौरान उसके मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी की स्थितियां न पैदा हों। सिर की चोट से बचाव करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा मैनिनजाइटिस और जापानी इंसेफेलाइटिस के टीके लगवाना भी जरूरी होता है। पर्याप्त नींद लें, नशे से दूर रहें, तनाव से बचें, ये कुछ ऐसे उपाय हो सकते हैं, जिनसे मिर्गी की चपेट में आने से बचा जा सकता है।

ऐसे कर सकते हैं कंट्रोलः अगर आप मिर्गी से ग्रस्त हो गए तो भी कुछ उपायों को अपनाकर इसे कंट्रोल कर सकते हैं। सबसे जरूरी है कि न्यूरोलॉजिस्ट से नियमित दवा लें, दवा अचानक लेना बंद न करें, इससे दौरे बढ़ सकते हैं। संतुलित जीवनशैली अपनाएं, ध्यान, योग और परिवार का सहयोग जैसे उपाय भी मिर्गी के इलाज और स्थिति पर नियंत्रण रखने की दृष्टि से मददगार हैं। मिर्गी के कुछ गंभीर मामलों में सर्जरी या वेगस नर्व स्टिमुलेशन (वीएनएस) जैसी तकनीकें भी कारगर होती हैं।

जागरूकता की है जरूरतः वास्तव में मिर्गी मस्तिष्क संबंधी बीमारियों से एक है और चूंकि भारत में मस्तिष्क स्वास्थ्य अभी गरीब और निम्न वर्ग तथा मध्यवर्ग के लोगों के बीच इससे बचाव की सुविधाएं और समझ सीमित है। ग्रामीण इलाकों में लोग इसे भूत-प्रेत या टोना टोटका से जोड़ देते हैं। इससे इलाज में देर होती है और रोगी की दशा बिगड़ती जाती है। इस बीमारी के कारण कई लोगों को रोजगार, विवाह या शिक्षा के अवसरों से वंचित होना पड़ता है। इसलिए अवेयरनेस फैलाने की भी जरूरत है। *

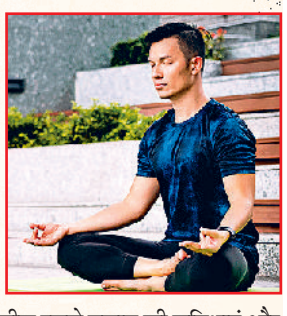

डाइट सजेशन

डॉ. माजिद अलीम

जरूरी नहीं कि हर हेल्दी फूड आपको फायदा ही पहुंचाए। अगर उसे आप सही तरीके से नहीं लेते तो फायदेमंद खाद्य पदार्थ भी कोई लाभ नहीं पहुंचाएगा या हो सकता है आपको नुकसान पहुचा दे। इसलिए यह जानना जरूरी है कि किसी फूड आइटम को कैसे ग्रहण करना चाहिए?

हेल्दी फूड्स लेने का तरीका भी हो सही

हमारे खान-पान में बहुत सारी ऐसी चीजें होती हैं, जिनके फायदेमंद होने में कोई शक नहीं होता, लेकिन अगर उन्हें सही तरीके से न लिया जाए तो उनके फायदों से ज्यादा नुकसान भी हो सकते हैं। आइए कुछ ऐसी ही बातें जानते हैं।

इन बातों को रखें ध्यानः ड्राय फ्रूट्स खाना बढ़िया होता है, इससे खूब फाइबर मिलता है। पर क्या आप जानते हैं, फल जो सुखा दिए जाते हैं, उनके भीतर अपने ताजे स्वरूप से तीन गुना से भी ज्यादा कैलोरी होती है। शुगर की मात्रा भी बढ़ जाती है।

मूंगफली छीलकर खाना लाभकारी है पर डिब्बा या पैकेट में नमक लगाकर तली मूंगफली खाना नुकसानदेह है। केले में फाइबर, पोटैशियम, विटामिन-सी और थोड़ा-सा फैट तथा थोड़ी कैलोरी मिलती है, पर इसके मुकाबले में इसके चिप्स में तीन गुना कैलोरी और 20 प्रतिशत अधिक फैट होता है। इसलिए सोच-समझकर सेवन करें।

फलों का जूसः फ्रूट जूस पीना बढ़िया है पर यह तब नुकसानदायक हो जाता है, जब यह ताजा न हो। इसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। बहुत से लोग फल खाने से ज्यादा जूस पीने को तरजीह देते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि जूस के जरिए एक साथ आप खूब सारी शुगर ले रहे होते हैं और फल से मिलने वाले लाभदायक फाइबर से भी वंचित रह जाते हैं। ताजा जूस पी सकते हैं लेकिन फल खाने को तरजीह देनी चाहिए। हालांकि इसमें भी सावधानी की दरकार है। जो भी फल खाएं, खूब अच्छी तरह धोकर ही खाएं।

अंडेः हेल्थ बनाने के लिए ही नहीं मोटापा कम करने के लिए भी अंडे बहुत बढ़िया हैं, पर तभी जब ये देसी वाले हों। कहने का मतलब ऑर्गेनिक हों यानी बिना कृत्रिम खाद्य पदार्थों, शाकाहारी शुद्ध दानों पर पले मुर्गे-मुर्गियों के अंडे हों। जब ऑमलेट खाएं तो साथ में उबली सब्जियां भी लें, यह और फायदेमंद रहेगा।

मल्टीग्रेन ब्रेडः ब्राउन ब्रेड के अलावा आजकल बाजार में मल्टीग्रेन और होल ग्रेन ब्रेड की डिमांड है। बताया जाता है कि मल्टीग्रेन में कई तरह के अनाजों का आटा मिला हुआ होता है और यह होल ग्रेन यानी समूचे गेहूं के आटे से बना ब्रेड फाइबर से भरा तथा सेहत के लिए लाभकारी होता है। जबकि अधिकतर अनाज का रिफाइंड आटा ही इसमें होता है। इसके खाने से शुगर बढ़ सकती है। इस तरह यह मोटापे और डायबिटीज का रिस्क बढ़ा सकती है।

सोयाबीनः सोयाबीन प्रोटीन का खजाना है लेकिन कुछ पोषक तत्वों के अवशोषण में रुकावट भी पैदा करता है। सोयाबीन में फायटिक एसिड पाया जाता है, जो कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, लौह तत्वों को शरीर में सोखने से रोकता है। इसमें ट्रिप्सिन भी मिलता है, जो प्रोटीन के पाचन में दिक्कत करता है और अग्नाशय के कार्य में रुकावट डालता है। इससे बना टोफू हो या बड़ियां सीमित मात्रा में खाइए। आजकल फ्लेवर्ड सोया मिल्क पीने का फैशन है। हालांकि यह बुरा नहीं है पर जैसे ही वनीला या चॉकलेट फ्लेवर इसमें मिलाया जाता है, इसके हर कप में 50-60 कैलोरी और 5 ग्राम शुगर बढ़ जाती है। इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। *

खबर संक्षेप

रतिया में पिस्तौल सहित युवक गिरफ्तार, केस

फतेहाबाद। ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत सीआईए रतिया टीम ने सफलता प्राप्त की है। टीम ने एक आदतन अपराधी को काबू करते हुए उसके कब्जे से अवैध 32 बोर पिस्तौल व जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी की पहचान प्रवीण कुमार के रूप में हुई। रिकॉर्ड जांच में पता चला कि आरोपी एक शातिर व आदतन अपराधी है, आरोपी के खिलाफ नौ मामले दर्ज है।

साइबर ठगी के आरोप में युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में एक आरोपी को काबू किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान शिव कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी बड़ोपल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी से 3 हजार की नगदी बरामद की है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता अभिषेक पुत्र रमेश कुमार निवासी जल्लीपुर, जो मजदूरी कार्य करता है, ने ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत दी थी।

जमानत के बाद फरार आरोपी 27 साल बाद काबू

फतेहाबाद। फरार एवं उद्घोषित आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर रतिया पुलिस ने 27 वर्ष पुराने केस में उद्घोषित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान प्रताप सिंह पुत्र जंगीर सिंह निवासी नुकेरिया, थाना अरनीवाला, जिला फाजिल्का, पंजाब के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने सूचना मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार किया।

हेरोइन तस्करी मामले में तीसरा आरोपी काबू

फतेहाबाद। सीआईए फतेहाबाद टीम ने हेरोइन तस्करी के एक मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुखपाल उर्फ सुखी पुत्र सुरजीत सिंह, निवासी तेलीवाला छन्ना सिंदवा, जिला जालंधर, के रूप में हुई है। सीआईए फतेहाबाद इंचार्ज उप-निरीक्षक वेदपाल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गांव बडोपल में नाकाबंदी कर आरोपी को पकड़ा।

मीटर चोरी मामले में महिला गिरफ्तार

फतेहाबाद। सरकारी मीटर चोरी मामले में थाना शहर रतिया पुलिस ने एक महिला आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान अंजलि रानी पुत्री फौजा राम निवासी वार्ड 10 रतिया के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी से 400 नगद बरामद करते हुए न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस प्रकरण में दो आरोपी पहले ही काबू किए जा चुके हैं। थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने यह जानकारी दी।

ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान में पांच ड्रग पीड़ितों की काउंसलिंग

नुक्कड़ सभाओं में ग्रामीणों को किया नशे के खिलाफ जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिलेभर में नशा मुक्ति व जनजागरूकता को लेकर चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करा रही है। इसी कड़ी में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने गांव मढ, ढाणी कलरखेड़ा में विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया।

फतेहाबाद। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करते नशामुक्ति टीम सदस्य। फोटो : हरिभूमि

टूट रहे परिवार

नशा मुक्ति टीम का नेतृत्व कर रहे उपनिरीक्षक सुंदर ने बताया कि टीम ने गांव के विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग नुक्कड़ सभाएं आयोजित कीं, जिनमें ग्रामीणों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभाओं में लोगों को बताया गया कि नशा न केवल परिवार को तोड़ता है बल्कि समाज को भी कमजोर करता है। टीम ने उपस्थित लोगों को नशे के दुष्परिणाम, उससे होने वाली सामाजिक व स्वास्थ्य हानियों तथा नशे से दूर रहने के व्यावहारिक उपायों के बारे में विस्तार से जागरूक किया। सुंदर ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग और उनकी स्वैच्छिक जानकारी के आधार पर 8 ड्रग पीड़ितों को चिन्हित किया गया। इन सभी व्यक्तियों की टीम द्वारा मौके पर ही काउन्सलिंग की गई, जिसमें उन्हें नशा छोडऩे के संकल्प हेतु प्रेरित किया गया। इसके बाद टीम ने सभी चिन्हित पीड़ितों को प्रारंभिक उपचार हेतु आयुर्वेदिक दवा उपलब्ध कराई, ताकि वे नशे से बाहर आने की प्रक्रिया को मजबूती दे सकें। इसके साथ ही पीड़ितों के परिजनों को भी सलाह दी गई कि वे उन्हें निरंतर सहयोग दें और पुलिस के साथ जुडक़र पुनर्वास प्रक्रिया को सफल बनाएं।

एक्शन में पुलिस

टीम ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि नशे से मुक्त समाज का निर्माण तभी संभव है जब हर व्यक्ति इस अभियान में अपनी भूमिका निभाए। पुलिस प्रशासन ने विश्वास दिलाया कि नशा तस्करी और नशा सेवन दोनों के खिलाफ जिला पुलिस की कार्रवाइयाँ आगे भी लगातार और सख्ती से जारी रहेंगी।

नशा तस्करों पर छापे, डॉग स्क्वाड व कमांडो टीम के साथ रतिया क्षेत्र में चलाया तलाशी अभियान

रतिया। रतिया क्षेत्र में नशा तस्करों और संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस द्वारा विशेष तलाशी अभियान चलाया। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने तडक़े सुबह रतिया क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अभियान शुरू किया। इस दौरान डॉग स्क्वाड और कमांडो यूनिट को भी तैनात किया गया। टीम ने मुख्य गलियों, घरों के आसपास, सुनसान रास्तों और खेतों तक व्यापक सर्च किया। घर-घर दस्तक देकर पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखी। अभियान के दौरान पुलिस की सघन मौजूदगी ने न केवल क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाई, बल्कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को भी सतर्क कर दिया। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की, वाहनों की बारीकी से जांच की और संभावित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी रखी। निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और क्षेत्र में नशा तस्करों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। हमारा उद्देश्य सदर रतिया क्षेत्र को नशामुक्त और सुरक्षित बनाना है। पुलिस पूरी सतर्कता के साथ लगातार कार्रवाई करती रहेगी। फतेहाबाद पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि नशा तस्करी, संदिग्ध गतिविधियों या किसी भी अवैध मामले की सूचना तुरंत पुलिस के साथ साझा करें। सूचना देने वाले का नाम और पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

■ रतिया प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह की अगुवाई में चला अभियान

फतेहाबाद। श्री रघुनाथ मंदिर फतेहाबाद में पूजा अर्चना करवाते स्वामी दिव्यानंद महाराज।

डॉ. स्वामी दिव्यानंद महाराज का प्रवचन

भगवान की आराधना करने वाले मर्यादा तोड़े तो यह भक्ति नहीं

■ श्री रघुनाथ मंदिर में पंच दिवसीय शिव महापुराण कथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

श्री रघुनाथ मंदिर फतेहाबाद में आयोजित पंच दिवसीय शिव महापुराण कथा में गुरूदेव डॉ. स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि कथा सुनना केवल धार्मिक कहानियां या इतिहास सुनना नहीं। जिसके सुन लेने के बाद हमारी जीवन शैली बदल जाए और सुनने वाले भगवान के प्रेमी बन जाते हैं। जीवन सदाचारी कैसे बने यह विधि पुराण देते हैं।

सद्आचार का अर्थ है जो कहा आचरण में भी वही हो। आज की जीवनशैली में कह कर मुकर जाने वाले पढ़े लिखे ज्यादा हैं। ऐसे पढ़े लिखे अपने इस घटिया व्यवहार को प्रमाणित भी बड़े अच्छे ढंग से कर लेते हैं। स्वामी दिव्यानंद ने कहा कि शिवपुराण में ऋषियों ने सदाचारी होने की कला पूछा है, जिसके उत्तर में सूत जी ने शिवाराधना करना बताया है। शिव पूजा करने वाले यदि मर्यादा तोड़ते हैं, अच्छा आचरण नहीं करते तो शिव पूजा का कोई अर्थ ही नहीं रह जाता। शिव में श्रद्धा हो, किंतु यह श्रद्धा पाखंड से भरी हुई न हो। पाखंड की खूंटियों पर लटकती श्रद्धा घातक होती है। उन्होंने कहा कि आजकल अपनी पूजा करवाने के लिए लोग श्रद्धा बढ़ाने के नाम पर मिथ्या आचरण का आश्रय लेते हैं। तभी तो ब्रह्मा जी के मंदिर नही बनते। शिव अरुणेश्वर महादेव के रूप में इसीलिए प्रथम प्रकट हुए थे, ताकि ऐसे पाखंडों पर रोक लग सके। समय रहते बुजुर्गों को भी अबके अनुसार जीवन जीने का ढंग बदलना होगा। इस अवसर पर आज अरुणेश्वर महादेव का मुख्य यजमान कैलाश बतरा द्वारा परिवार सहित अभिषेक हुआ। प्रधान टेकचंद मिढ़ा, योगेश मेहता, सुभाष बतरा, मदन लाल नारंग, बंटी निझारा ने पूजा कर आशीर्वाद लिया।

संक्रमण के खिलाफ होंगे एकजुट

विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

■ सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब की ओर से विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढक़र भाग लिया। कॉलेज प्राचार्या प्रो. रंजना ग्रोवर ने विद्यार्थियों से कहा कि विश्व एड्स दिवस एचआईवी और एड्स के खिलाफ लड़ाई में लोगों को एकजुट करने के लिए वैश्विक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि हम सभी को नए एचआईवी संक्रमणों को रोकने और विश्वस्तर पर एचआईवी से पीड़ित सभी लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता में दृढ़ रहना चाहिए। कार्यक्रम की कन्वीनर कॉलेज के इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू देवी ने बताया कि विश्व एड्स दिवस मनाने का उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के तरीकों, रोकथाम व उपचार के उपलब्ध तरीकों के बारे में शिक्षित करना है। यह एचआईवी से पीड़ित लोगों के लिए समर्थन दिखाता है और अलगाव की भावना को कम करता है। इस मौके पर डॉ. नछत्तर सिंह रंधावा सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

सिरसा। विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

सरकार से समाज का हर वर्ग दु:खी : शर्मा

सिरसा। प्रदेश युवा कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहित शर्मा ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार कानून व्यवस्था के साथ-साथ हर क्षेत्र में पूरी तरह नकारा साबित हुई है। पिछले 11 साल के कार्यकाल में प्रदेश की कानून व्यवस्था निम्न स्तर पर पहुंच गई है और वर्तमान में प्रदेश के ऐसे हालात हैं कि गुंडा तत्व खुलेआम घूम रहे हैं और सरकार तालियां पीट रही हैं। मोहित ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा राज में बेटियों से निर्ममतापूर्वक व्यवहार हो रहा है और इस प्रकार की घटनाएं हर रोज बढ़ती जा रही हैं। कानून के रखवाले बहन-बेटियों की रक्षा करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने में नाकाम साबित हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति दयनीय है।

डीएवी पुलिस स्कूल की शुभी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में करेगी जिले का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की 10वीं कक्षा की छात्रा शुभी सिंगला ने कला के क्षेत्र अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से स्कूल का नाम रोशन किया है। जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में शुभी ने क्लासिकल डांस में अपने शानदार प्रदर्शन से पहला स्थान हासिल किया। इसकी बदौलत अब शुभी का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। डीएवी पुलिस स्कूल फतेहाबाद की प्राचार्या अमिता सिंह ने छात्रा शुभी सिंगला को मिली उपलब्धि पर बधाई देते हुए बताया कि शुभी सिंगला पुत्री वीरेन्द्र कुमार सिंगला ने जींद में आयोजित जोनल स्तरीय क्लासिकल डांस प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रदर्शन का शानदार प्रदर्शन किया। जोनल लेवल पर हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया था, जिसमें कड़े मुकाबले के बीच शुभी ने अपनी अद्भूत कला, मंच पर लय-ताल की समक्ष और भाव-भंगिमा के बेहतरीन प्रदर्शन से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया और प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। उनके क्लासिकल डांस की प्रस्तुति को उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा और तालियों से स्वागत किया।

फतेहाबाद। विजेता छात्रा शुभी को बधाई देते प्राचार्या अमिता सिंह।

छात्रा को सराहा

प्राचार्या अमिता सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ डीएवी पुलिस स्कूल के विद्यार्थियों ने खेलों और सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने छात्रा शुभी सिंगला को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

मेधावी छात्रों को सराहा

विकलांग अधिकार मंच ने दिव्यांगों को सम्मानित किया

रतिया। जिला विकलांग अधिकार मंच द्वारा जिला स्तरीय सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल सभा व महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल अस्पताल के प्रधान प्रमोद बंसल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर खटीक समाज के जिला प्रधान सुभाष खटीक, ह्यूमन राइट्स हरियाणा के अध्यक्ष चंद्रपाल, पंजाबा मल सती मंदिर के प्रधान सोमनाथ गर्ग ने भाग लिया। अध्यक्षता राज्य एवं जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार गोयल ने की। जिला स्तरीय कार्यक्रम में विशेष उपलब्धि प्राप्त विकलांगों को मंच की तरफ से स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया, जिनमें सुशील कुमार आजाद हिंदी शिक्षक, संदीप पाल इतिहास शिक्षक, प्रवीण कुमार मुख्य अध्यापक, संदीप कुमार टीजीटी हिंदी, सतपाल मुख्याध्यापक राजकीय प्राथमिक पाठशाला मिराना, शामिल रहे। इसके इलावा जिन विकलांगों ने अपनी मेहनत के बल पर विकलांगता को पीछे छोड़ते हुए पढ़ाई में अच्छे अंक प्राप्त किये हैं, उनको भी सम्मानित किया गया।

रेलवे के डीआरएम ने किया जाखल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण, एफसीआई लेबर व रेलवे कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

■ भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी बंद ट्रेनों को फिर से शुरू करने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रेलवे दिल्ली डिवीजन के डीआरएम पुष्पेश आर त्रिपाठी ने बुधवार को फतेहाबाद जिले के जाखल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। यहां पहुंचने पर डीआरएम त्रिपाठी का रेलवे अधिकारियों ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए।

उन्होंने सबसे पहले रनिंग रूम का निरीक्षण किया। रेलवे ने डीआरएम के आगमन से पहले स्टेशन पर सफाई व्यवस्था दुरुस्त की थी। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की और शौचालय, टिकट घर सहित अन्य स्थानों का भी जायजा लिया। डीआरएम के दौरे की सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने जाखल रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। जगह-जगह पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने डीआरएम का यहां पहुंचने पर स्वागत करते हुए उन्हें एक मांग पत्र सौंपा।

फतेहाबाद। जाखल रेलवे स्टेशन पर डीआरएम को मांग पत्र सौंपते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

ये मांगें रखी

भाजपा मंडल अध्यक्ष किरण शर्मा ने बताया कि जाखल रेलवे स्टेशन पर कई समस्याएं हैं। डीआरएम को सौंपे मांग पत्र में वाशिंग लाइन लगाने, आरक्षण खिडक़ी की कमी पूरी करने, सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और रेलवे स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था सुधारने की मांग की गई। इसके अलावा मांग पत्र में जम्मू-बांद्रा ट्रेन के ठहराव, रेलवे की खाली पड़ी जगह पर पार्क के निर्माण और कोरोना काल के दौरान बंद हुई ट्रेनों को फिर से शुरू करने की मांगें भी शामिल थी। डीआरएम ने इन मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा माल लोड करने को लेकर भी अपनी बात भी अधिकारी की सामने रखी।

शराब तस्करी मामले में आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। जिला पुलिस द्वारा नशा एवं अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना भुना पुलिस ने वर्ष 2021 के एक बड़े तस्करी मामले में शामिल एक अन्य आरोपी को काबू किया है। इससे पहले इसी मामले में पाँच आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके थे। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि 2021 में दर्ज अवैध शराब तस्करी के मुकदमे में कई आरोपी नामजद थे। इसी प्रकरण में वांछित चल रहा आरोपी विनोद कुमार उर्फ काला पुत्र गोधूराम निवासी काहनौर, कलानौर, रोहतक क्षेत्र में दिखाई देने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे काबू कर लिया। उन्होंने बताया कि यह मामला 8 मई 2021 संबंधित है।

चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 को

सुनवाई के लिए प्री-जाइडिंग ऑफिसर व सदस्य नियुक्त

फतेहाबाद। हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के तत्वावधान में 13 दिसंबर को सुबह 10 बजे जिला मुख्यालय फतेहाबाद, उपमंडल रतिया व टोहाना की न्यायिक परिसरों में चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इन लोक अदालतों में मामलों के निपटान के लिए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने प्री-जाइडिंग ऑफिसर व सदस्य नियुक्त किए हैं। इस बारे जानकारी देते हुए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने बताया कि 13 दिसंबर को सुबह 10 बजे जिला स्तर पर चौथी लोक अदालत में मामलों के निपटान के लिए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवेंदु जैन, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कम मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुयशा जावा, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कम न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जोगिंद्र जांगड़ा को प्री-जाइडिंग तथा पैनल अधिवक्ता विनोद कामरा, पूनम रानी व अमन भट्टी को सदस्य नियुक्त किया है। इसी प्रकार से रतिया उपमंडल के लिए सिविल जज कम जेएमआईसी कुमारी ज्योति को प्री जाइडिंग ऑफिसर नियुक्त किया है।

सराहनीय | समैन में शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का एसडीएम ने लिया जायजा

बच्चों के साथ भोजन कर एसडीएम ने मिड डे मील की गुणवत्ता का किया मूल्यांकन

टोहाना। समैण में बच्चों के साथ बैठकर मिड डे मील का स्वाद चखते एसडीएम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

एसडीएम आकाश शर्मा ने बुधवार को गांव समैन के सरकारी विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा कर विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मिड-डे मील की गुणवत्ता की जांच की तथा बच्चों के साथ बैठकर भोजन कर स्वयं भोजन की गुणवत्ता और स्वाद का अनुभव किया। उन्होंने शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता का जायजा लेते हुए पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम आकाश शर्मा ने निरीक्षण के दौरान कक्षाओं का दौरा किया और बच्चों से बातचीत कर उनकी शिक्षा संबंधी प्रगति के बारे में जानकारी ली।

स्वास्थ्य रिकॉर्ड अपडेट करें

गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर एसडीएम ने बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पोषाहार की गुणवत्ता देखी और स्टाफ से पोषण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग को बच्चों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड और उपस्थिति रजिस्टर को नियमित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए। केंद्र की साफ-सफाई, खेल सामग्री और बच्चों के अनुकूल वातावरण को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एसडीएम ने मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी और उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्टाफ की उपस्थिति की जांच कर सभी कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने और मरीजों के साथ विनम्र व संवेदनशील व्यवहार करने के निर्देश दिए। दवाइयों के स्टॉक, जांच सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई।

निरीक्षण किया

उन्होंने मिड-डे मील की गुणवत्ता की जांच की तथा बच्चों के साथ बैठकर भोजन कर स्वयं भोजन की गुणवत्ता और स्वाद का अनुभव किया। रसोईघर एवं भोजन बनाने वाली जगह की स्वच्छता की बारीकी से जांच की गई। इसी के साथ उन्होंने विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं का भी निरीक्षण करते हुए विद्यालय परिसर की समग्र सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों को समय पर विद्यालय पहुँचने तथा नियमित और प्रभावी कक्षाएं लगाने के निर्देश भी दिए। एसडीएम ने विद्यालय में शौचालयों की स्थितियों का निरीक्षण करते हुए उनके नियमित रखरखाव को आवश्यक बताया। उन्होंने स्वच्छ पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बच्चों के बैठने, खेलने तथा पढने के वातावरण बारे भी संबंधित विभाग को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा।

खबर संक्षेप

दयानंद कॉलेज को मिला द्वितीय स्थान

हिसार। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय हरियाणा उत्सव समारोह में दयानंद कॉलेज की रिन्यूअल टीम ने कडी प्रतिस्पर्धा मे अपनी मंच प्रस्तुती प्रस्तुत करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) विक्रमजीत सिंह ने सभी प्रतिभागियों के साथ-साथ महाविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रम अधिष्ठाता सह-आचार्य विजय सिंह और टीम संयोजक सह-आचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार को हार्दिक बधाई दी।

पुलिस ने श्रमिकों को किया जागरूक

नारनौंद। पुलिस चौकी मिर्चपुर प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेश कुमार द्वारा गांव कोथ में मनरेगा श्रमिकों को जागरूक करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें श्रमिकों को साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति, तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने श्रमिकों को बताया कि साइबर ठगी के तरीके लगातार बदल रहे हैं। उन्होंने समझाया कि किसी भी अंजान व्यक्ति को बैंक डिटेल, एटीएम पिन, पासवर्ड, ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी सांझा न करें। श्रमिकों को नशे से दूर रहने एवं अपने परिवार और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

सुरेंद्र को मिली राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर की जिम्मेदारी

हिसार। कांग्रेस पार्टी ने अपने ओबीसी के संगठन पदाधिकारियों की राष्ट्रीय सूची जारी कर दी है। इस सूची में पूरे देश से 60 राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर और पांच जॉइंट कॉर्डिनेटर बनाए गए हैं। सूची में देश भर से ओबीसी वर्ग से आने वाले कई विधायक और बड़े नेता शामिल है। हरियाणा कांग्रेस नेता और ओबीसी कांग्रेस की राष्ट्रीय आइडियोलॉजिकल कमेटी के सदस्य सुरेंद्र कुमार सैनी सहित हरियाणा से चार नेताओं को राष्ट्रीय कमेटी में कॉर्डिनेटर बनाया गया है। इनमें सोहना से चुनाव लड़ चुके रोहताश बेदी, केशकला एव कौशल बोर्ड के पूर्व चेयरमैन योगेन्द्र योगी, सुरेश भोला भी शामिल है।

सीएम विंडो शिकायतों की सुनवाई आज

हिसार। नगर निगम से जुड़ी सीएम विंडो पर दर्ज शिकायतों के निपटान के लिए अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी। इस दौरान 100 शिकायतकर्ताओं को व्यक्तिगत रूप से अपनी समस्याएं रखने का मौका मिलेगा। निगमायुक्त नीरज ने बताया कि पिछले दो महीनों में लगातार हुई सुनवाई में 15 अक्टूबर, 6 नवंबर, 20 नवंबर और 27 नवंबर तक 230 से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। सुनवाई नगर निगम के मुख्य सभागार में होगी, जहां सीएम विंडो के नोडल अधिकारी सहित सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे।

गुरु दक्ष बहुतकनीकी में जागरूकता कार्यक्रम

हिसार। गुरु दक्ष राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। । इस मौके पर संस्थान के प्राचार्य राजीव शर्मा, भारती, सोनिका, डॉ दिनेश नैन एवं सोनू कसवां आदि मौजूद थे।

चेयरमैन सैनी ने ली मार्केट कमेटी की बैठक

बरवाला। मार्केट कमेटी बरवाला के चेयरमैन प्रवीन सैनी ने मार्केट कमेटी अधिकारियों और कर्मचारी संगठन पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में चेयरमैन प्रवीन सैनी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को कहा कि मार्केट कमेटी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चेयरमैन प्रवीन सैनी ने कहा कि उनका लक्ष्य है कि बरवाला मंडी को प्रदेश की सबसे बेहतरीन मंडी बनाया जाए। इसमें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का सहयोग चाहिए। इस बैठक में मार्केट कमेटी सचिव नरेंद्र कुंडू और उपसचिव सुनील कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

लुवास में वार्षिक अधिवेशन एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

मानव, पशु और पर्यावरण के संबंधों को समझना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लाला लाजपत राय पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), में तीन दिवसीय सोसायटी फॉर वेटेरिनरी साइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी (एसवीएसबीटी) के 12वें वार्षिक अधिवेशन एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के निर्देशन में विश्वविद्यालय के वेटरनरी ऑडिटोरियम में इसका शुभारंभ श्री वेंकटेश्वर वेटरनरी यूनिवर्सिटी, तिरुपति के कुलपति प्रो. (डॉ.) जेवी रमाना ने मुख्य अतिथि के तौर पर किया।

इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय 'ब्रिजिंग साइंस एंड सोसायटी: बायोटेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल वन हेल्थ' निर्धारित किया गया है, जो विज्ञान, समाज, पर्यावरण तथा पशु-मानव स्वास्थ्य के एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। प्रो. (डॉ.) रमाना ने 'वन हेल्थ' की अवधारणा को वर्तमान समय की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए कहा कि मानव, पशु एवं पर्यावरण के स्वास्थ्य के पारस्परिक संबंधों को समझना आज अनिवार्य है। उन्होंने अधिवेशन के विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि 'विज्ञान, समाज एवं सतत विकास को जोड़ने में बायोटेक्नोलॉजी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह तकनीक पशुधन उत्पादन, रोग निदान, वैक्सीन विकास तथा खाद्य सुरक्षा में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है, जिससे न केवल पशु स्वास्थ्य सुदृढ़ होगा बल्कि समाज को भी एक स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य मिलेगा। कार्यक्रम में पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनोज रोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल, आयोजन सचिव एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुशीला मान, डॉ. अमन, एसवीएसबीटी अध्यक्ष डॉ. एजे धामी तथा कोषाध्यक्ष डॉ. विशाल एस. सुथार मंचासीन रहे। सर्वप्रथम अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

हिसार। उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित करते अतिथि। फोटो :हरिभूमि

यह रहे उपस्थित

लुवास के पूर्व कुलपति डॉ. मेजर जनरल श्रीकांत, कुलसचिव डॉ. एसएस ढाका, डेयरी साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एसबी पाटिल, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. गौतम, मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशिका डॉ. सोनिया सिंधु आदि समेत काफी संख्या में मौजूद रहे।

दीक्षा पंवार को मिला बेस्ट पेपर अवार्ड

बेस्ट पेपर अवार्ड लुवास की दीक्षा पंवार को उच्च गुणवत्ता वाले शोध निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए, ग्लोरी एस. परमार , कुंवरबाई कृषि विश्वविद्यालय, आनंद को नवाचार आधारित शोध के लिए तथा डीएन बोराखटरिया, कुंवरबाई कृषि विश्वविद्यालय, जूनागढ़ को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण शोध कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। बेस्ट क्लिनिकल केस रिपोर्ट अवार्ड डॉ. एनएम रम्या, कर्नाटक पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बीदर को चुनौतीपूर्ण क्लीनिकल मामलों के प्रभावी प्रबंधन और वैज्ञानिक प्रस्तुति के लिए दिया गया।

कुलपति को मिला अवार्ड

एसवीएसबीटी के 12वें वार्षिक अधिवेशन के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों की घोषणा एसवीएसबीटी कोषाध्यक्ष डॉ. विशाल एस. सुथार ने की। इन पुरस्कारों के माध्यम से पशु-चिकित्सा एवं जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। इसमें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड लाला लाजपत राय पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा को प्रदान किया गया, जो पशु-चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान का सम्मान है।

इनको भी किया सम्मानित

एसवीएसबीटी फेलो अवार्ड से कुलपति प्रो. (डॉ.) जेवी रमाना, को पशु विज्ञान क्षेत्र में शोध एवं प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए तथा प्रो. (डॉ.) जयकृष्ण दास, ओरिसा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी को शिक्षा और शोध विस्तार में निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया। एसोसिएट फेलो अवार्ड डॉ. बृजेश यादव, दीन दयाल उपाध्याय पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय को पशु-चिकित्सा शिक्षण एवं युवा शोधकर्ताओं को मार्गदर्शन देने के लिए, डॉ. राजा किशोर, श्री वेंकटेश्वर वेटरनरी यूनिवर्सिटी को अनुसंधान प्रबंधन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका के लिए तथा डॉ. दिव्यज्योति तालुकदार, सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पशु-चिकित्सा शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए गए।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

- दिव्यांगजन हमारी समाज की अमूल्य शक्ति : डॉ. काजल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

छाजू राम लॉ कॉलेज में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जाट शिक्षण संस्थान के प्रेसिडेंट दिलदार सिंह पूनिया, सेक्रेटरी एडवोकेट परविंदर मलिक और कोषाध्यक्ष सागर सिवाच एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सेक्रेटरी अशोक कुमार चीफ जुडिसियल मजिस्ट्रेट के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेरणादायक संदेश के साथ हुई, जिसमें प्राचार्य डॉ कृष्ण कुमार काजल ने दिव्यांगजनों के सम्मान, अधिकार और समावेशन पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन हमारी समाज की अमूल्य शक्ति हैं। हमें उनके प्रति संवेदनशील बनना होगा और उन्हें समान अवसर प्रदान कर उनके कौशल एवं प्रतिभा को सामने लाने में सहयोग करना होगा। वास्तविक समावेशन तभी संभव है जब हम सभी मिलकर एक सहानुभूतिपूर्ण और सहयोगी वातावरण तैयार करें। डॉ. संतोष कुमारी एवं डॉ. ज्योति बूरा ने कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों के अधिकार बताए।

हिसार। जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण एवं विद्यार्थी।

शहीद भगत सिंह स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

- शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को रंग ए बचपन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवानी मंडी

खंड के गांव गैंडावासके शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को रंग ए बचपन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय निदेशक सुरेश गेट एवं निशा गेट ने संयुक्त रूप से की। इस दौरान शहीद ए आजम भगतसिंह की प्रतीमा पर को माल्यार्पण कर व मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत रूप से कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में स्कूल के नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने फैंसी ड्रेस के माध्यम से विज्ञान, तकनीक, ब्रह्माण्ड, स्वतंत्रता सेनानियों, भारतीय राजाओं-महाराजाओं, भारतीय शासकों, विदेशी शासकों, भारतीय नेताओं, वालीवुड के सितारे के विषय पर अलग अलग वेषभूषाओं में साक्षात प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं का मनमोह लिया। कार्यक्रम का सभी अभिभावकों, मातृशक्ति, और सभी विद्यार्थियों ने खूब आनंद उठाया और कक्षा पहली से दसवीं के विद्यार्थियों ने समूह नृत्य की प्रस्तुति दी।

सिवानी मंडी। प्रतिभागी बच्चों को सम्मानित करते स्कूल निदेशक सुरेश गेट व अन्य। फोटो :हरिभूमि

श्रीरामलीला कमेटी कटला के चुनाव के लिए कुल 29 नामांकन दाखिल

- आज होगी नामांकन की जांच, 6 को नाम ले सकेंगे वापस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

श्रीरामलीला कमेटी कटला के चुनाव के लिए नामांकन भरने के तीसरे व अंतिम दिन बुधवार को विभिन्न पदों के लिये 21 नामांकन पत्र भरे गए। मंगलवार को 8 नामांकन पत्र भरे गए थे। डॉ. यशपाल सिंगला ने बताया कि निर्धारित चुनावी कार्यक्रम अनुसार श्रीरामलीला कमेटी कटला के प्रधान, उपप्रधान, सचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष व छह कार्यकारिणी सदस्यों के लिये निर्धारित समय सायं 4 बजे तक कुल 29 नामांकन फार्म जमा हुए। इनमें प्रधान पद के लिए कुल 4 उम्मीदवार, सचिव पद के लिये कुल 6, उपप्रधान पद के लिये 3, सहसचिव पद के लिये 5 तथा कोषाध्यक्ष पद के लिये 2 उम्मीदवारों तथा कार्यकारिणी सदस्यों के लिये 9 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। जिन 29 लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किये, उनमें प्रधान पद के लिए अनिल महाजन, विनोद गुप्ता, ऋषिराज बुड़ाकिया व सुरेन्द्र लाहौरिया, उपप्रधान पद के लिये राजेन्द्र बंसल, अनूप बिंदल व अनिल कुमार, सचिव पद के लिये सत्यनारायण गोयल, ललित गोयल, कृष्ण कुमार, आनंद प्रकाश गुप्ता, राजेश कुमार लोहिया व सूर्य गोयल, सहसचिव पद के लिये अशोक शर्मा आदि शामिल हैं।

हिसार। चुनाव के लिए नामांकन करने पहुंचे पूर्व प्रधान सुरेंद्र लाहौरिया।

दुनिया की शीर्ष पांच कंपनियों में शामिल जिंदल स्टेनलेस

- 78 ईएसजी स्कोर हासिल करके वैश्विक सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग में जेएसएल की ऐतिहासिक उपलब्धि
- जेएसएल को डीजेएसआई-मॉडल्ड स्कोर के मामले में स्टील सेक्टर में दुनियाभर में चौथा और स्टेनलेस स्टील सेक्टर में पहला स्थान मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस-स्टील निर्माता कंपनी जिंदल स्टेनलेस ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए डॉव जोन्स सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स (डीजेएसआई) के कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) में 78 ईएसजी स्कोर हासिल करके वैश्विक सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

अभ्युदय जिंदल, प्रबंध निदेशक, जेएसएल।

यह मान्यता हासिल करने के साथ ही जिंदल स्टेनलेस वैश्विक स्तर पर शीर्ष 5 प्रतिशत स्टेनलेस स्टील कंपनियों में शामिल हो गई जबकि वित्तीय वर्ष 2025 में नवंबर तक कंपनी को डीजेएसआई-मॉडल्ड स्कोर के मामले में स्टील सेक्टर में दुनियाभर में चौथा और स्टेनलेस स्टील सेक्टर में पहला स्थान मिला।

इस स्कोर में वित्तीय वर्ष 2024 की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले साल कंपनी का स्कोर 60 रहा था। स्कोर में बढ़ोतरी होने से सस्टेनेबिलिटी पर आधारित विकास, पारदर्शिता और दीर्घकालिक मूल्य सृजन की दिशा में कंपनी की तेज प्रगति रेखांकित होती है।

पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय सुधार : जिंदल

जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा कि डीजेएसआई-मॉडल्ड ईएसजी रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थानों में जगह बनाना हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले वर्ष की तुलना में हमारे स्कोर में उल्लेखनीय सुधार होना हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत हम पारदर्शिता, इनोवेशन और अपने लोगों व पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए लगातार आगे बढ़ते रहे हैं। जिंदल स्टेनलेस में सस्टेनेबिलिटी कायम करने को लेकर कोई लक्ष्य तय नहीं होता, यह हमारे मूल्यों में बसी है, रोजमर्रा के कामकाज में दिखती है, और हमारे समुदायों व स्टेकहोल्डर्स के विश्वास से और मजबूत होती है। यह उपलब्धि हमारे विजन 2030 की महत्वाकांक्षाओं को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाने के हमारे संकल्प को और मजबूत बनाएगी। साथ ही ये ऐसे भविष्य को आकार देने की हमारी प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ बनाएगी, जहां औद्योगिक प्रगति के साथ साथ सस्टेनेबिलिटी का भी ध्यान रखा जाएगा।

हिसार। सम्मान पाने वाले शिक्षक नगराधीश हरिराम के साथ।

संपर्क फाउंडेशन ने शिक्षकों को किया सम्मानित

हिसार। सम्पर्क फाउंडेशन द्वारा जिला सभागार में जिले में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया। जिले के 107 प्राइमरी स्कूलों के उन समर्पित शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने सम्पर्क स्मार्ट शाला एप्लिकेशन का निरंतर एवं प्रभावी उपयोग कर विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप नगराधीश हरिराम ने शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफियां प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान नगराधीश हरिराम एवं जिला शिक्षा अधिकारी ने जिला स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार व विशेष योगदान देने वाले शिक्षकों लक्ष्मण श्योराण, मोनिका, सतीश पूनिया, शोभा, सतपाल, हनुमान, गीता एवं अन्य शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एफएलएन कोऑर्डिनेटर प्रमोद कुमार एवं मनोज गर्ग ने शिक्षा में नवाचार और तकनीकी उपयोग को अधिगम स्तर सुधार का महत्वपूर्ण आधार बताया।

विश्व एड्स दिवसः एड्स से संक्रमित व्यक्ति से भेदभाव न करें : डॉ. लीखा

- सर्वोदय अस्पताल में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में सर्वोदय मल्टी स्पेशलिटी एवं कैंसर अस्पताल में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ओपीडी पूर्णतः निःशुल्क रखी गई एवं सभी प्रकार की जांचों पर 20 फीसद की विशेष छूट दी गई। इस शिविर में 100 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर अस्पताल के विख्यात सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्यम लीखा ने एड्स से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह रोग असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई/सिरिंज, संक्रमित खून के संपर्क और मां से बच्चे में फैल सकता है। इसके बचाव के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है, सुरक्षित यौन व्यवहार अपनाएं, केवल स्टरलाइज्ड सुई का प्रयोग करें और जरूरत पड़ने पर समय पर जांच कराएं। उन्होंने यह भी बताया कि एड्स आज भी पूरी तरह लाइलाज भले न हो, लेकिन सही इलाज और दवाइयों से मरीज एक सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकता है। समाज को चाहिए कि एचआईवी/एड्स से संक्रमित व्यक्ति से भेदभाव न करें, बल्कि उन्हें सहयोग और सम्मान दें।

हिसार। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो :हरिभूमि

हांसी। पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते आयोजन समिति सदस्य।

हिंदू शूटिंग अकादमी के शूटरों ने जीते दो पदक

हांसी। अंबाला में आयोजित स्टेट लेवल ईगल कप प्रतियोगिता में हिंदू शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ियों ने एयर पिस्टल और एयर राइफल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक रजत व कांस्य पदक हासिल किए। स्कूल डायरेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि अकादमी की शूटर मान्या तथा शूटर कार्तिक ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल और अनुशासन के दम पर रजत व कांस्य पदक हासिल कर अकादमी और अपने अभिभावकों का गौरव बढ़ाया। अकादमी संचालक अनिल कुमार ने बताया कि पदक विजेता खिलाड़ियों के साथ ही आशीष शाहर का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। उन्होंने बताया कि बहुत ही कम समय में हिंदू शुटिंग स्पोर्ट्स अकादमी ने न केवल शहर में बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी अपने शूटरों के दम पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

डॉ. सतीश कालड़ा की साथी बनें: वृद्धजन देखभाल मार्गदर्शिका का विमोचन

बुजुर्गों की बढ़ती आबादी को लेकर कार्यक्रम में हुई चर्चा

देश में बुजुर्गों की आबादी 10 फीसद के करीब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नु) द्वारा चलाए जा रहे सर्टिफिकेट इन होम हेल्थ असिस्टेंस कोर्स में कुल 16 स्किल्स का उल्लेख किया गया है जिसमें केयर गिवर्स को दक्ष होना चाहिए लेकिन स्किल्ड केयर गिवर्स का अभाव है जिसे भरने के लिए बुधवार को डॉ. सतीश कालड़ा द्वारा लिखी गई साथी बनें: वृद्धजन देखभाल मार्गदर्शिका का विमोचन किया गया। सीनियर सिटीजन्स क्लब में आयोजित इस कार्यक्रम में केयर गिविंग क्षेत्र में कैपेसिटी बिल्डिंग पर पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। रिटायर्ड हिसार मंडलायुक्त डॉ. युद्धबीर सिंह और हाल ही में रिटायर हुए अशोक गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। परिचय संबोधन में वानप्रस्थ सीनियर सिटीजन्स क्लब के सचिव डॉ. डांग ने बुजुर्गों की बढती आबादी और एकल परिवार के चलन से केयर गिवर्स की बढती ज़रूरत का उल्लेख किया। स्वागत संबोधन में वानप्रस्थ डिग्निटी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ मोहन गुप्ता ने बताया कि हिसार क्लाइमेट रिसिलिएंट पुस्तक श्रंखला के अंतर्गत ट्रस्ट हर साल एक पुस्तक का प्रकाशन कर रहा है और इस साल आठवीं पुस्तक प्रकाशित की गई है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्रेया कालड़ा ने करुणा को केयर गिविंग का अटूट हिस्सा बनाने पर बल दिया। मार्गदर्शिका परिचय देते हुए लेखक डॉ. कालड़ा ने बताया कि बुजुर्गों की बढ़ती आबादी के अनुरूप बुजुर्गों के डॉक्टर्स कुल विशेषज्ञों का 10 प्रतिशत होने चाहिए लेकिन हैं 1 प्रतिशत से भी कम।

हिसार। मार्गदर्शिका के विमोचन अवसर पर उपस्थित रिटायर्ड मंडलायुक्त डॉ. युद्धबीर सिंह और अशोक गर्ग, वानप्रस्थ सीनियर सिटीजन्स क्लब पदाधिकारी एवं सदस्य।

ट्रेनिंग के अनुभव सांझा किए

अध्यक्षीय संबोधन में अशोक गर्ग ने बुजुर्गों में व्याप्त अकेलापन को सबसे बड़ी समस्या बताया जिसका समाधान उन्होंने उनके साथ बिताया जाने वाला टाइम बताया। डॉ. युद्धबीर सिंह ने समाज हित में दिए गए सक्रिय योगदान को स्वस्थ जीवन शैली का अहम हिस्सा बताते हुए इसे मानसिक रोगों से बचे रहने की कुंजी बताया। पनेलिस्ट डॉ नीलम परुथी ने टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज से जुड़ कर चलाए गए पेरा मेडिकल स्ट्रीम प्रदान की गई ट्रेनिंग के अनुभव सांझा किया।